

---

shrIchaNDIprAtaHsmaraNam

श्रीचण्डी अथवा दुर्गा अथवा भगवती प्रातःस्मरणम्

Document Information

---

Text title : chaNDIprAtaHsmaraNam

File name : chaNDIprAtaHsmaraNam.itx

Category : suprabhAta, devii, durgA, devI

Location : doc\_devii

Proofread by : Jonathan Wiener wiener78 at sbcglobal.net, NA

Latest update : August 2, 2017

Send corrections to : sanskrit@cheerful.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

January 22, 2022

*sanskritdocuments.org*

---

श्रीचण्डी अथवा दुर्गा अथवा भगवती प्रातःस्मरणम्

---



प्रातः स्मरामि शरदिन्दुकरोज्ज्वलाभां  
सद्रत्नवन्मकरकुण्डलहारभूषाम् ।  
दिव्यायुधोर्जितसुनीलसहस्रहस्तां  
रक्तोत्पलाभचरणां महतीं परेशाम् ॥ १ ॥

प्रातर्नमामि महिषासुरचण्डमुण्ड-  
शुम्भासुरप्रसुखदैत्यविनाशदक्षाम् ।  
ब्रह्मेन्द्रमुनिमोहनशीललीलां  
चण्डीं समस्तसुरमूर्तिमनेकरूपाम् ॥ २ ॥

प्रातर्भजामि भवतामभिलाषदात्रीं bhajatAmabhilASha  
धात्रीं समस्तजगतां दुरितापहन्त्रीम् ।  
संसारबन्धनविमोचनहेतुभूतां  
मायां परां समधिगम्य परस्य विष्णोः ॥ ३ ॥

श्लोकत्रयमिदं देव्याश्चण्डिकायाः पठेन्नरः ।  
सर्वान्कामानवाप्नोति विष्णुलोके महीयते ॥ ४ ॥

इति श्रीचण्डीप्रातःस्मरणं सम्पूर्णम् ।

Proofread by Jonathan Wiener wiener78 at sbcglobal.net, NA

---

